

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने सरदार वल्लभभाई पटेल की **149वीं जयंती** के उपलक्ष्य पर भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में उनकी अवसि्मरणीय भूमिका के सम्मान में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जसि राष्ट्रीय एकता दविस (**31 अक्टूबर**) के रूप में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय एकता दविस क्या है?

■ परचिय:

- राष्ट्रीय एकता दविस पटेल के मूल्यों- **एकता, अखंडता और समावेशता** का समरणोत्सव है।
 - संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों में व्यापक वविधिता वाले देश में यह दविस **भारत के लोगों** के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने के महत्त्व पर ज़ोर देता है।
- यह दविस नागरिकों को एकजुट होकर चुनौतियों का समाधान करने, वविधिता का उत्सव मनाने और राष्ट्र के भीतर **सद्भाव** को बढ़ावा देने के लिये चर्तित करने के लिये प्रोत्साहति करता है।

■ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:

- 31 अक्टूबर 2018 को सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में वशि्व की सबसे ऊँची प्रतमिा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन **गुजरात के केवडिया** में कयिा गया, जसिकी ऊँचाई 182 मीटर (600 फीट) है।
 - **नर्मदा नदी** और **सरदार सरोवर बाँध** (कंक्रीट की मात्रा की दृष्टिसे वशि्व का दूसरा सबसे बड़ा भाराश्रति बाँध) के सामने, यह प्रतमिा **साधु बेट द्वीप** पर स्थति है।
- वर्ष 2020 में भारत की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के **आठ अजूबों की सूची** में शामिल कयिा गया था।



सरदार वल्लभभाई पटेल कौन थे?

- **जन्म:** उनका जन्म **31 अक्टूबर 1875** को **नाडियाड, गुजरात** में हुआ।
 - उनका परिवार लेवा पाटीदार समुदाय से था।
- **कॅरियर:** इंग्लैंड में **वधिअध्ययन कर, रोमन वधि** में पुरस्कार अर्जित किया और वर्ष 1913 में बैरिस्टर के रूप में भारत लौट आए।
- **उपाधि और वरिष्ठता:** अपने दृढ़ संकल्प और दृढ़ दृष्टिकोण के कारण उन्हें **"भारत के लौह पुरुष"** के नाम से जाना जाता है। उन्हें **राष्ट्रीय एकता और समुत्थानशीलता का प्रतीक** माना जाता है।
- **राजनीतिक उत्थान:**
 - **राष्ट्रीय आंदोलन में सहभागिता:** पटेल **महात्मा गांधी** से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए।
 - **खेड़ा सत्याग्रह (1918):** उन्होंने **सूखे के कारण खराब फसल** से प्रभावित किसानों के लिये कर छूट की मांग करते हुए **खेड़ा सत्याग्रह** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
 - **बारदोली सत्याग्रह (1928):** **बारदोली सत्याग्रह** के दौरान अनुचित कर वृद्धि के विरुद्ध वरिष्ठ प्रदर्शन किया, जिसके कारण उन्हें इस नेतृत्व के लिये "सरदार" की उपाधि प्रदान की गई।
- **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में भूमिका:**
 - **असहयोग और सविनय अवज्ञा:** गांधीजी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर वर्ष 1930 में **नमक सत्याग्रह** जैसे आंदोलनों का नेतृत्व किया और इसमें शामिल होने के कारण उन्हें अनेक बार कारावास का दंड दिया गया।
 - **कॉंग्रेस की अध्यक्षता:** वर्ष 1931 में **कॉंग्रेस के 46वें अधिवेशन** की अध्यक्षता की, जिसमें **गांधी-इरवनि समझौते** पर चर्चा हुई।
 - **भारत छोड़ो आंदोलन (1942):** भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इस प्रमुख चरण के दौरान पटेल को गरिफ्तार कर कारावास का दंड दिया गया।
- **स्वतंत्रता पश्चात् योगदान:**
 - **रियासतों का एकीकरण:** **562 रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत करने में अग्रणी भूमिका निभाई**, जिससे लाखों लोगों के लिये स्थिरता और लोकतंत्र सुनिश्चित हुआ।
 - **भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947** ने रियासतों को स्वतंत्रता की घोषणा करने की अनुमति दी।
 - **भारत की सविलि सेवाओं का सुदृढीकरण:** पटेल ने आधुनिक **अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना करने** और देश के प्रशासनिक ढाँचे को सुदृढ करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
 - नौकरशाही प्रणाली को सुदृढ बनाने में उनके योगदान के लिये उन्हें **"भारत के सविलि सेवकों के संरक्षक संत"** की संज्ञा दी जाती है।
 - **राष्ट्रीय सविलि सेवा दविस (21 अप्रैल)** सरदार पटेल के 1947 के भाषण का सम्मान करता है, जिसमें उन्होंने **सविलि सेवकों** को **"भारत का इस्पाती ढाँचा"** कहा था तथा लोकसेवा के प्रति उनके समर्पण को सुदृढ किया था।
 - **अध्यक्षता और समिति कार्य:** संविधान सभा में **मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक** तथा **जनजातीय एवं अपवर्जित क्षेत्रों** पर सलाहकार समिति की अध्यक्षता की।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

73वीं पुण्यतिथि पर नमन

संक्षिप्त परिचय

31 अक्टूबर, 1875

को नडियाद, गुजरात में जन्म

भारत के पहले गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री

15 दिसंबर, 1950

को बंबई में मृत्यु

प्रमुख योगदान

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ खेड़ा सत्याग्रह (1918) और बारदोली सत्याग्रह (1928) में महत्वपूर्ण भूमिका

भारतीय संविधान सभा की विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया

भारतीय संघ में लगभग 565 रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका

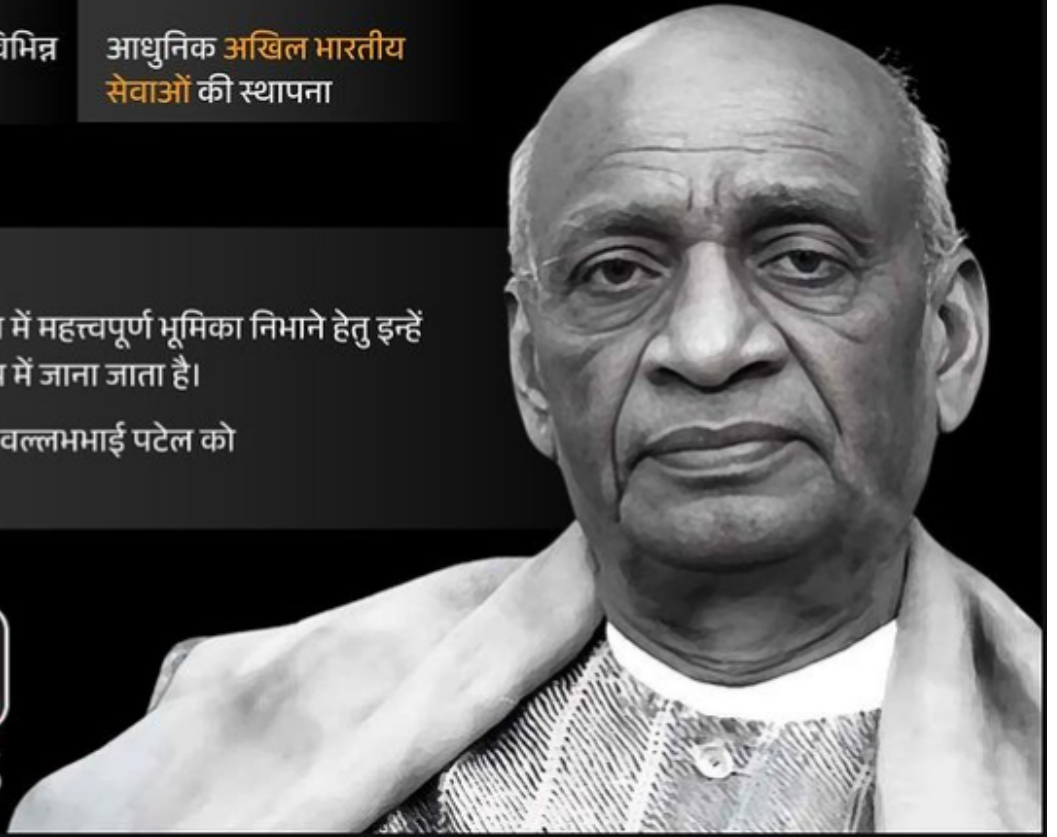
आधुनिक अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना

अन्य तथ्य

- भारतीय संघ के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु इन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है।
- बारदोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी।



Drishti IAS



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

????????

प्रश्न. खेड़ा के किसानों के पक्ष में महात्मा गांधी के सत्याग्रह संघटित करने का क्या कारण था ? (2011)

- अकाल पड़ने के बावजूद प्रशासन ने भू-राजस्व की उगाही स्थगित नहीं की थी।
- प्रशासन का यह प्रस्ताव था कि गुजरात में स्थाई बंदोबस्त लागू कर दिया जाए।

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 व 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

प्रश्न. 1931 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन के लिये, सरदार पटेल की अध्यक्षता में, जिन्होंने मौलिक अधिकार और आर्थिक कार्यक्रम पर संकल्प का मसौदा तैयार किया? (2010)

- (a) महात्मा गांधी
- (b) पंडित जवाहरलाल नेहरू
- (c) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- (d) डॉ. बी. आर. अंबेडकर

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/birth-anniversary-of-sardar-vallabhbai-patel>

